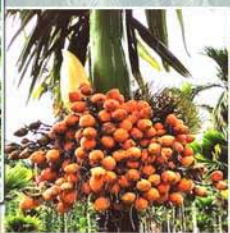
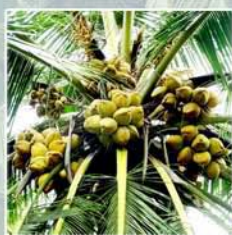


# भाकृअप-केरोफअसं

एक सदी से अधिक कृषकों की सेवारत...



अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

निदेशक

भाकृअप- केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान

कासरगोड़, केरल, भारत 671124

ई-मेल: [director-cpcri@icar.org.in](mailto:director-cpcri@icar.org.in)

वेबसाइट: [www.cpcri.gov.in](http://www.cpcri.gov.in)

ISO 9001: 2015 प्रमाणित संस्थान



# भाकृअप-केरोफअसं

भाकृअप - केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान (केरोफअसं), कासरगोड, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत थागवानी में एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है। इस का स्थापन 1916 को मद्रास प्रेसीडेंसी के तहत नारियल अनुसंधान स्टेशन के रूप में सरल रूप में शुरुआत हुई थी।

संस्थान की अधिदेशित फसलें नारियल, सुपारी, कोको और ताड़ी हैं। भारत दुनिया में नारियल का सबसे बड़ा उत्पादक और खेती के क्षेत्रफल में तीसरा स्थान रखता है। देश सुपारी के क्षेत्रफल और उत्पादन में दुनिया में पहले स्थान पर है।

केरोफअसं का प्रशासनिक मुख्यालय कासरगोड़, केरल (नारियल और कोको), क्षेत्रीय स्टेशन, कायमकुलम, केरल (नारियल के कीट और रोग और ताड़ी) और विट्टल, कर्नाटक (सुपारी और कोको) में है; अनुसंधान केंद्र, किदु, कर्नाटक (नारियल, सुपारी और कोको पर आनुवंशिक संसाधन केंद्र), मोहितनगर, पश्चिम बंगाल (उप-हिमालयी तराई क्षेत्र के लिए नारियल, सुपारी और कोको); और काहिकुची, असम (पूर्वोत्तर भारत में नारियल, सुपारी और कोको क्षेत्र के विकास के लिए कार्य रत) स्थित है। इस संस्थान में अखिल भारतीय समन्वित रोपण फसलों पर अनुसंधान परियोजना संचालित है, जिसके 14 राज्यों में 28 केंद्र हैं।

दो कृषि विज्ञान केंद्र हैं, एक कासरगोड में और दूसरा आलप्पुझा में, जो कृषि विस्तार गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

नारियल, सुपारी, कोको और ताड़ी की फसलों पर किए जा रहे शोध के विषयों में किस्मों का सुधार, फसल प्रबंधन, रोग और कीट नियंत्रण, कटाई से पहले और उपरांत प्रसंस्करण, मूल्यवर्धित उत्पाद और मशीनरी विकास, जलवायु लचीलापन, उन्नत प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण, उपमिता विकास और कृषि प्रणाली मॉडल शामिल हैं।

पहला ऊतक-संवर्धित सुपारी के पौधे, साथ ही पहला संकर नारियल, केरोफअसं द्वारा विकसित किया गया। अब तक केरोफअसं द्वारा जारी की गई 24 नारियल की किस्में, जिनमें थायोफोर्टिफाइड डाब की किस्में, रोग और तनाव-सहिष्णु किस्में शामिल हैं, जिनमें से 7 संकर हैं; 12 उच्च उपज वाली सुपारी की किस्में, जिनमें 3 संकर शामिल हैं; और 8 प्रसंस्करण योग्य कोको की किस्में, जिनमें 5 संकर शामिल हैं।

लाभदायक फसल और मिश्रित खेती के मॉडल, सूक्ष्मजैविक थायोएजेंट, एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन तकनीक, जैव नियंत्रण एजेंट, और उच्च मूल्य वाले उत्पाद (वीसीओ, नारियल चिप्स, कल्परस, आदि), साथ ही प्रौद्योगिकी और मशीनरी, सुस्थिर कृषि के लिए विकसित किए गए हैं।

संस्थान की विशेषज्ञता से हितधारकों द्वारा क्षेत्र स्तर पर उत्पन्न होने वाली समस्याओं के निदान के लिए तथा प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए परामर्श लिया जाता है।

यह संस्थान छात्रों और अनुसंधान शिक्षार्थियों के साथ-साथ युवा उद्यमियों के लिए ऊष्मायन सुविधाओं के लिए रोपण फसलों पर उच्च शिक्षा सुविधाएं प्रदान करता है।

केरोफअसं में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, मौसम स्टेशन, उच्च-सटीक उपकरण, नारियल, सुपारी और कोको की 4-स्टार नर्सरी हैं, जो ब्यू आर-कोडित पौधों का उत्पादन करती हैं।



# ICAR-CPCRI

*Serving the Farming Community  
for Over a Century and Beyond...*



**For more information, please contact**

**The Director**

**ICAR-Central Plantation Crops Research Institute**

**Kasaragod, Kerala, India 671124**

**E-mail: [director.cpcri@icar.org.in](mailto:director.cpcri@icar.org.in)**

**Website: [www.cpcri.gov.in](http://www.cpcri.gov.in)**



**An ISO 9001:2015 certified institution**

# ICAR-CPCRI

The ICAR-Central Plantation Crops Research Institute (CPCRI), Kasaragod, is one of the premier horticulture research institute under the Indian Council of Agricultural Research. Established in 1916, it began modestly as a Coconut Research Station under the former Madras Presidency.

Mandate crops of CPCRI are coconut, arecanut, cocoa and palmyrah. India is highest producer of coconut and third in cultivated area in the world. The country is first in area and production of arecanut in the world.

CPCRI has its headquarters at Kasaragod, Kerala (coconut & cocoa); Regional Stations, Kayamkulam, Kerala (palmyrah and pests & diseases of coconut) and Vittal, Karnataka (arecanut & cocoa); Research Centres, Kidu, Karnataka (genetic resources centre on coconut, arecanut and cocoa); Mohitnagar, West Bengal (coconut, arecanut & cocoa for Sub-Himalayan Terai Region); and Kahikuchi, Assam (catering to the development of coconut, arecanut and cocoa sector in NE India). All India Coordinated Research Project on Plantation Crops, is operating in CPCRI, has 28 centres in 14 states.

There are two Krishi Vigyan Kendras, one at Kasaragod and the other at Alappuzha in Kerala conducting agricultural extension activities.

Varietal improvement, crop management, disease and pest control, pre- and post-harvest processing, value-added products and machinery development, climate resilience, advanced technology training, entrepreneurship development, and farming system models are among the topics of research being carried out here on coconut, arecanut, cocoa, and palmyrah crops.

The first tissue-cultured arecanut plants, as well as the first hybrid coconut, were developed by CPCRI. 24 coconut varieties, including biofortified tender nut varieties, disease and stress-tolerant varieties, of which 7 are hybrids; 12 high-yielding arecanut varieties, including 3 hybrids; and 8 processible cocoa varieties, including 5 hybrids, have been released by the CPCRI so far.

Profitable cropping and mixed farming models, microbial bioagents, integrated pest and disease management techniques, biocontrol agents, and high-value products (VCO, coconut chips, Kalparasa®), as well as processes and machinery, were developed for sustainable farming.

The expertise of the institute is being consulted by stakeholders for both diagnostic remedies to the field level problems and laboratory analysis.

This Institute offers higher education facilities on plantation crops to postgraduate students and research scholars, as well as incubation facilities for young entrepreneurs.

CPCRI has state-of-the-art laboratories, experimental fields, an international gene bank, germplasm, weather stations, high-precision equipment, and 4-star nurseries of coconut, arecanut, and cocoa, producing QR-coded seedlings.